



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 220]
No. 220]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 29, 1978/वैशाख 9, 1900
NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 29 1978/VAISAKHA 9, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1978

का० आ० 288(अ)—केन्द्रीय सरकार, स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 15) की धारा 39 के उपखण्ड (i) के खण्ड (क) के साथ पठित धारा 114 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, स्वर्ण नियंत्रण (प्रमाणपत्रों का प्रदान) नियम, 1970 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1.(1) इन नियमों का नाम स्वर्ण नियंत्रण (प्रमाणपत्रों का प्रदान) द्वितीय संशोधन नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. स्वर्ण नियंत्रण (प्रमाणपत्रों का प्रदान) नियम, 1970 में, नियम 3 में, खण्ड (घ) के स्पष्टीकरण I में, "तीन मास" शब्दों के स्थान पर, "एक वर्ष" शब्द रखे जाएंगे।

[सं० 5/78 फा० 133/5/76 जीसी II]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th April, 1978

S.O. 288(E).—In exercise of the powers conferred by section 114, read with clause (e) of sub-section (4) of section 39 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968),

110 GI/78

the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Gold Control (Grant of Certificates) Rules, 1970, namely :—

1. (1) These rules may be called the Gold Control (Grant of Certificates) Second Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Gold Control (Grant of Certificates) Rules, 1970, in rule 3, in clause (d), in Explanation I, for the words "three months", the words "one year" shall be substituted.

[No. 5/78 F. 133/5/78-GC II]

घादेश

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1978

का० आ० 289(अ)—केन्द्रीय सरकार, स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 109 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपनी यह राय होने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक और समीचीन है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के आदेश सं० का०आ० 92 (अ) तारीख 14 फरवरी, 1978 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त आदेश में, शर्त (ख) में, "ब्योहारी से भिन्न" शब्दों से आरम्भ होने वाले और "इसमें नीचे उल्लिखित बातों के अधीन रहते हुए, विहित लेखों में दर्ज कर लिया हो" पर समाप्त होने वाले शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द और अंक रखे जाएंगे, अर्थात् :—

"ब्योहारी से भिन्न किसी व्यक्ति से एक समय में ऐसे प्राप्तिपत्र खरीद सकेगा जिनका भार 35 ग्राम से अधिक न हो और उनका उपयोग विक्रय

(573)

के लिये आभूषणों के बनाने, विनिर्मित करने या तैयार करने के प्रयोजन के लिए कर सकेगा। परन्तु वह इस प्रकार खरीदे हुए आभूषणों को अनुज्ञप्त व्योहारी से भिन्न किसी ग्राहक से विशेष आर्डर मिलने पर केवल आभूषणों के बनाने, विनिर्मित करने या तैयार करने के प्रयोजनार्थ, नीचे वर्णित शर्तों के अधीन रहते हुए, गला सकेगा।

[सं० 6/78 फा० 133/5/78 जी०सी० II]

मा० रामचन्द्रन, अपर सचिव

ORDER

New Delhi, the 29th April, 1978

S.O. 289(E).—In exercise of the powers conferred by section 109 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968) the Central Government, being of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. S. O. 92(E), dated the 14th February, 1978, namely :—

In the said Order, in condition (b), for the words beginning with "purchase ornaments" and ending with "mentioned hereunder", the following words and figures shall be substituted, namely :—

"purchase ornaments, not exceeding 35 grammes at a time from any person other than a dealer and utilise the same for the purpose of making, manufacturing or preparing ornaments for sale; provided that he shall melt the ornaments so purchased only for making, manufacturing or preparing ornaments against specific order from a customer other than a licensed dealer; subject to the conditions mentioned hereunder"

[No. 6/78 F. 133/5/78-GC. II]

M. RAMACHANDRAN, Additional Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1978

का०आ० 290 (अ)—मै, एम० रामचन्द्रन, प्रशासक, स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 31 के प्रथम

परन्तुक्त के खण्ड (iii) और धारा 8 की उपधारा (6) के साथ पठित धारा 115 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त गतिवियों का प्रयोग करते हुए, अपनी यह राय होने पर कि इसमें विनिर्दिष्ट मामलों के वर्ग की विशेष परिस्थितियों में यह अपेक्षित है,--

(i) भारतीय रिजर्व बैंक को मानक स्वर्ण छड़ों के रूप में प्राहमरी स्वर्ण का अनुज्ञप्त व्यवहारियों को विक्रय करने, परिदत्त करने, स्थानान्तरित करने या अन्यथा व्ययन के लिए प्राधिकृत करना है; और

(ii) ऐसे व्यवहारियों को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विक्रित स्वर्ण को ग्रहण करने या अन्यथा अर्जित करने, स्वीकार करने या अन्यथा प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत करना है।

[सं० 7/78 फा० 139/17/78-जी०सी० II]

मा० रामचन्द्रन, स्वर्ण नियंत्रण प्रशासक

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th April, 1978

S.O. 290(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 115, read with clause (iii) of the first proviso to section 31 and sub-section (6) of section 8, of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), I, M. Ramachandran, Administrator, being of the opinion that special circumstances of the class of cases specified herein so require, hereby authorise :—

(i) the Reserve Bank of India to sell, deliver, transfer, or otherwise dispose of, primary gold in the form of standard gold bars to licensed dealers; and

(ii) such dealers to buy or otherwise acquire accept or otherwise receive, the gold to sold by the Reserve Bank of India.

[No. 7/78 F. No. 139/17/78-GC. II]

M. RAMACHANDRAN, Gold Control Administrator